वेणीसंहार से सम्बन्धित वस्तुनिष्ठ प्रश्न

डा० धनञ्जय वासुदेव द्विवेदी

सहायक प्रोफेसर, संस्कृत विभाग,

डा० श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, राँची

१. वेणीसंहार किसकी रचना है-

(अ) कालिदास **(ब) भट्टनारायण** (स) भवभूति (द) जयदेव

२. वेणीसंहार का उपजीव्य है-

(अ) महाभारत (ब) रामायण (स) भागवत (द) कथासरित्सागर

३. वेणीसंहार काव्य की कौन सी विधा है-

(अ) महाकाव्य (ब) गद्यकाव्य **(स) नाटक** (द) प्रकरण

४. वेणीसंहार नामक नाटक का नायक है-

(अ) भीम (ब) अर्जुन (स) नकुल (द) दुर्योधन

५. वेणीसंहार नामक नाटक का प्रतिनायक है-

(अ) दुर्योधन (ब) सहदेव (स) युधिष्ठिर (द) दुःशासन

६. वेणीसंहार की नायिका है-

(अ) भानुमती **(ब) द्रौपदी** (स) गान्धारी (द) सुवदना

७. वेणीसंहार कुल कितने अङ्कों में विभाजित है-

(अ) 8 (ब) 7 **(स) 6** (द) 5

८. अश्वत्थामा किसका पुत्र है-

(अ) द्रोणाचार्य (ब) कृपाचार्य (स) भीष्मपितामह (द) परशुराम

९. भीम किस कोटि का नायक है-

(अ) धीरप्रशान्त (ब) धीरललित **(स) धीरोद्धत** (द) धीरोदात्त

१०. वेणीसंहार का अर्थ है-

(अ) वेणी को बाँधना (ब) वेणी को मारना (स) वेणी को समेटना (द) इनमें से कोई नहीं

११. द्रौपदी का केश-कर्षण किसने किया था-

(अ) दुर्योधन **(ब) दुःशासन** (स) कर्ण (द) चार्वाक

१२. वेणीसंहार का कथानक महाभारत के किस पर्व से गृहीत है-

(अ) उद्योगपर्व (ब) शान्तिपर्व (स) भीष्मपर्व (द) आदिपर्व

१३. 'मथ्नामि कौरवशतं समरे न कोपात्'- यह किसकी उक्ति है-

(अ) अर्जुन **(ब) भीम** (स) नकुल (द) दुर्योधन

१४. कर्ण किस अङ्क में रङ्गमञ्च पर आता है-

(अ) प्रथम (ब) द्वितीय **(स) तृतीय** (द) चतुर्थ

१५. धृतराष्ट्र किस अङ्क में रङ्गमञ्च पर आते हैं-

(अ) प्रथम (ब) द्वितीय (स) तृतीय **(द) पञ्चम**

१६. वेणीसंहार का अङ्गीरस कौन सा है-

(अ) वीर (ब) शृङ्गार (स) भयानक (द) करुण

१७. पाण्डवों का कञ्चुकी कौन था-

(अ) विनयन्धर **(ब) जयन्धर** (स) रुधिरप्रिय (द) सूत

१८. दुर्योधन की पत्नी कौन थी-

(अ) द्रौपदी **(ब) भानुमती** (स) दुःशला (द) वसागन्धा

१९. वेणीसंहार के नान्दीपाठ में किसकी स्तुति नहीं है-

(अ) ब्रह्मा (ब) विष्णु (स) कृष्ण (द) शिव

२०. भट्टनारायण मुख्यतः किस रीति के कवि हैं-

(अ) वैदर्भी **(ब) गौड़ी** (स) पाञ्चाली (द) लाटी

२१. वेणीसंहार में मुख्यतः किस प्राकृत का वर्णन है-

(अ) शौरसेनी (ब) अवन्तिका (स) प्राच्या (द) मागधी

२२. वेणीसंहार में वेणी किससे सम्बन्धित है-

(अ) द्रौपदी (ब) भानुमती (स) दुःशला (द) वसागन्धा

२३. 'उत्तसंयिष्यति कचांस्तव भीमः'- यह किस नाटक से सम्बन्धित है-

(अ) वेणीसंहार (ब) उरुभङ्ग (स) दूतघटोत्कच (द) मध्यमव्यायोग

२४. 'मथ्नामि कौरवशतं समरे न कोपात्'-यह किस नाटक से सम्बद्ध है-

(अ) मध्यमव्यायोग (ब) उरुभङ्ग **(स) वेणीसंहार** (द) दूतवाक्य

२५. 'गुरुः खेदं खिन्ने मयि भजति नाद्यपि कुरुषु'- वेणीसंहार में यह किसकी उक्ति है-

(अ) दुर्योधन (ब) अश्वत्थामा (स) सहदेव **(द) भीमसेन**

२६. 'दैवायत्तं कुले जन्म मदायत्तं तु पौरुषम्'-यह किसकी उक्ति है-

(अ) दुर्योधन (ब) भीमसेन **(स) कर्ण** (द) जयद्रथ

२७. धृतराष्ट्र का सारथी कौन है-

(अ) कृष्ण (ब) अश्वसेन **(स) संजय** (द) मातलि

२८. पाण्डवपक्षपाती राक्षस कौन है-

(अ) पाञ्चालक (ब) चार्वाक (स) बुधक **(द) रुधिरप्रिय**

२९. याज्ञसेनी कौन है-

(अ) पाञ्चाली (ब) द्रौपदी की सखी (स) द्रौपदी की दासी (द) इनमें से कोई नहीं

३०. भानुमती की सखी कौन है-

(अ) बुद्धिमतिका (ब) याज्ञसेनी **(स) सुवदना** (द) हिडिम्बा

३१. वेणीसंहार में द्रौपदी की सखी कौन है-

(अ) दुःशला (ब) तरलिका (स) विहङ्गिका **(द) बुद्धिमतिका**

३२. 'न घटस्य कूपपाते रज्जुरपि तत्र प्रक्षेपतव्या'-वेणीसंहार में यह किसकी उक्ति है-

(अ) संजय (ब) भीम (स) अर्जुन (द) श्रीकृष्ण

३३. कृपाचार्य की भगिनीपुत्र कौन है-

(अ) कर्ण **(ब) अश्वत्थामा** (स) घटोत्कच (द) चार्वाक

३४. दो कञ्चुकी हैं-

(अ) मृच्छकटिक (ब) रत्नावली (स) कादम्बरी **(द) वेणीसंहार**

३५. विदूषक का अभाव है-

(अ) अभिज्ञानशाकुन्तलम् (ब) रत्नावली **(स) वेणीसंहार** (द) मृच्छकटिक

३६. 'आशाबलवती राजन् शल्यो जेष्यति पाण्डवान्'- यह उक्ति किस नाटक में है-

(अ) रत्नावली **(ब) वेणीसंहार** (स) किरातार्जुनीयम् (द) मालविकाग्निमित्रम्

डा0 धनञ्जय वासुदेव द्विवेदी

डा० धनञ्जय वासुदेव द्विवेदी